पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Std-VI **Subject-Hindi**

Summative Assessment Assignment-2(2021-22)

(अपठित–विभाग)

प्र–1 अपठित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1) मानव जाति को अन्य जीवधारियों से अलग करके महत्त्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरु है, वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुधि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है।यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवी बुधि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता, किंतु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

(क) मानव जाति को महत्त्व देने में किसका योगदान है?
- विवेक और विचारों का

(ख) विचारों की पूँजी में शामिल नहीं है
- उत्साह

(ग) मानव में पाशविक प्रवृत्तियाँ क्यों जागृत होती हैं?
- कुविचारों के कारण

(घ) "मनुष्य के पास बुधि है, विवेक है, तर्कशक्ति है' रचना की दृष्टि से उपर्युक्त वाक्य है
- सरल

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है
- विवेक शक्ति

2) विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीढ़ की हड्डी कहें, तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड़ जाते हैं, जीवन भर वही संस्कार अमिट रहते हैं। इसीलिए यही काल आधारशिला कहा गया है। यदि यह नींव दृढ़ बन जाती है तो जीवन सुदृढ़ और सुखी बन जाता है। यदि इस काल में बालक कष्ट सहन कर लेता है तो उसका स्वास्थ्य सुंदर बनता है। यदि मन लगाकर अध्ययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उसका मानसिक विकास होता है। जिस वृक्ष को प्रारंभ से सुंदर सिंचन और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित एवं पल्लवित होकर संसार को सौरभ देने लगता है। इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियमन के साँचे में ढल जाता है, वह आदर्श विद्यार्थी बनकर सभ्य नागरिक बन जाता है। सभ्य नागरिक के लिए जिन-जिन गुणों की आवश्यकता है, उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुंदर पाठशाला है। यहाँ पर अपने साथियों के बीच रहकर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक हैं, जिनकी कि विद्यार्थी को अपने जीवन में आवश्यकता होती है।

1)जीवन की आधारशिला किस काल को कहा जाता है?

उत्तरः जीवन की आधारशिला विद्यार्थी जीवन को कहा गया है।

2)गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तरः गद्यांश का शीर्षक है-जीवन का निर्माण काल विद्यार्थी जीवन।

3)मानव जीवन के लिए विद्यार्थी जीवन की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः मानव जीवन के लिए विद्यार्थी जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस काल में अच्छे गुणों एवं संस्कारों की दृढ़ नींव पड़ जाती है, तो जीवन सुखमय बन जाता है। इस काल में सीखी बातें जीवन भर साथ रहती हैं।

4)छोटे वृक्ष के पोषण का उल्लेख किस संदर्भ में किया गया है और क्यों?

उत्तरः छोटे वृक्ष के पोषण का उल्लेख विद्यार्थी जीवन के संदर्भ में किया गया है, क्योंकि जिस प्रकार अच्छा पोषण पाकर पौधा वृक्ष बनकर फल-फूल देता है, उसी प्रकार विद्यार्थी जीवन में पड़े अच्छे संस्कार उसे अच्छा इनसान बनाते हैं।

5)विद्यार्थी जीवन की तुलना पाठशाला से क्यों की गई है?

उत्तरः विदयार्थी जीवन की तुलना पाठशाला से इसलिए की गई है, क्योंकि जिस प्रकार छात्र ज्ञान प्राप्त करता है उसी प्रकार विद्यार्थी जीवन में बालक जीवनोपयोगी गुण ग्रहण करता है।

3) हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाए जा रहे हैं, या नए वर्ष के आगमन के रूप में; फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की खुशी में हो या महापुरुषों की याद में; सभी अपनी विशेषताओं एवं क्षेत्रीय प्रभाव से युक्त होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मज़बूती प्रदान करते हैं। ये त्योहार जहाँ जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं, वहीं हमारे अंदर देश-भक्ति एवं गौरव की भावना के साथ-साथ, विश्व-बंधुत्व एवं समन्वय की भावना भी बढ़ाते हैं। इनके द्वारा महापुरुषों के उपदेश हमें बार-बार इस बात की याद दिलाते हैं कि सद्विचार एवं सद्भावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ़ सकते हैं। इन त्योहारों के माध्यम से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि वास्तव में धर्मों का मूल लक्ष्य एक है, केवल उस लक्ष्य तक पहुँचने के तरीके अलग-अलग हैं।

1)उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तरः गद्यांश का शीर्षक है-त्योहार और मानवजीवन।

2)त्योहारों से मनुष्य को क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तरः त्योहारों से मनुष्य को यह शिक्षा मिलती है कि सभी धर्मों का लक्ष्य एक है, जहाँ पहुँचने के तरीके अलग-अलग हैं।

3)हमारे देश में त्योहार मनाने के मुख्य आधार क्या हैं ?

उत्तरः हमारे देश में त्योहार मनाने के अनेक आधार हैं। ये त्योहार कभी धार्मिक दृष्टि से मनाए जाते हैं, तो कभी नववर्ष के आगमन की खुशी में या फ़सल करने और खलिहान भरने की खुशी इनके मनाने का आधार हो सकता है।

4)त्योहारों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है ?

उत्तरः त्योहार हमारे जीवन को उमंग एवं खुशहाली से भर देते हैं तथा हमारे मन में एकता, अखंडता, विश्व-बंधुत्व, देश भक्ति एवं आपसी समन्वय की भावना भी बढ़ाते हैं।

5) त्योहारों और महापुरुषों के उपदेश में समानता गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः त्योहारों और महापुरुषों के उपदेशों में समानता यह है कि, ये दोनों ही हमें यह याद दिलाते हैं कि अच्छे विचार और अच्छी भावना रखने से ही हम प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं।

➢ अपठित पदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

4) हम जंग न होने देंगे!
विश्व शांति के हम साधक हैं,
जंग न होने देंगे!
कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी,
खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी,
आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा,
एटम से फिर नागासाकी नहीं जलेगी
युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे!
हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा,
मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा,
कफ़न बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर,
दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा,
कामयाब हों उनकी चालें, ढंग न होने देंगे!
हमें चाहिए शांति, ज़िंदगी हमको प्यारी,
हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी,
हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से,
आगे आकर हाथ बटाए दुनिया सारी,
हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे!

प्रश्नः 1. कवि किस तरह की दुनिया चाहता है ?
उत्तर: कवि ऐसी दुनिया चाहता है, जहाँ युद्ध का नामोनिशान न हो और सर्वत्र शांति हो।
प्रश्नः 2. 'खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी' का आशय क्या है?
उत्तर: 'खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी' का आशय है कि युद्ध अब अपार जनसंहार का कारण नहीं बनेगा।
प्रश्नः 3. 'कफ़न बेचने वाले' कहकर कवि ने किनकी ओर संकेत किया है?
उत्तर: कफ़न बेचने वालों कहकर कवि ने उन देशों की ओर संकेत किया है जो घातक अस्त्र-शस्त्र की खरीद-करते हैं।
प्रश्नः 4. 'एटम' के माध्यम से कवि ने क्या याद दिलाया है ? उसका सपना क्या है ?
उत्तर: एटम के माध्यम से कवि ने अमेरिका द्वारा नागासाकी और हिरोशिमा पर गिराए गए बम की ओर संकेत किया है। उसका सपना यह है उसने युद्धरहित दुनिया का स्वप्न देखा है, वह किसी भी दशा में नहीं टूटना चाहिए।
प्रश्नः 5. कवि ने किसके विरुद्ध युद्ध छेड़ रखा है? उसका यह कार्य कितना उचित है?
उत्तर: कवि ने भूख और बीमारी से जंग छेड़ रखी है। इसका कारण यह है कि कवि को शांतिपूर्ण जीवन पसंद है। वह नवसृजन की तैयारी में व्यस्त है। इस जंग में वह विश्व को भागीदार बनाकर दुनिया में खुशहाली देखना चाहता है।

6) जिसके निमित्त तप-त्याग किए, हँसते-हँसते बलिदान दिए,
कारागारों में कष्ट सहे, दुर्दमन नीति ने देह दहे,
घर-बार और परिवार मिटे, नर-नारि पिटे, बाज़ार लुटे
आई, पाई वह 'स्वतंत्रता', पर सुख से नेह न नाता है –
क्या यही 'स्वराज्य' कहाता है।

सुख, सुविधा, समता पाएँगे, सब सत्य-स्नेह सरसाएँगे,
तब भ्रष्टाचार नहीं होगा, अनुचित व्यवहार नहीं होगा,
जन-नायक यही बताते थे, दे-दे दलील समझाते थे,
वे हुई व्यर्थ बीती बातें, जिनका अब पता न पाता है।
क्या यही 'स्वराज्य' कहाता है।

शुचि, स्नेह, अहिंसा, सत्य, कर्म, बतलाए 'बापू' ने सुधर्म,
जो बिना धर्म की राजनीति, उसको कहते थे वह अनीति,
अब गांधीवाद बिसार दिया, सद्भाव, त्याग, तप मार दिया,
व्यवसाय बन गया देश-प्रेम, खुल गया स्वार्थ का खाता है –
क्या यही 'स्वराज्य' कहाता है।

प्रश्नः 1. वीरों ने किसके लिए तप त्याग करते हुए अपना बलिदान दे दिया?

उत्तर: वीरों ने देश को आज़ादी दिलाने के लिए तप-त्याग करते हुए अपना बलिदान दे दिया।

प्रश्नः 2 'सुख-सुविधा समता पाएँगे' में निहित अलंकार का नाम बताइए।

उत्तर: 'सुख-सुविधा समता पाएँगे' में अनुप्रास अलंकार है।

प्रश्नः 3. 'क्या यही स्वराज्य कहाता है' कहकर कवि ने व्यंग्य क्यों किया है ?

उत्तर: 'क्या यही स्वराज्य कहाता है' कहकर कवि ने इसलिए व्यंग्य किया है क्योंकि हमारे जननायकों ने ऐसी स्वतंत्रता का सपना नहीं देखा था।

प्रश्नः 4. हमारे जननायकों ने किस तरह की स्वतंत्रता का स्वप्न देखा था? वह स्वप्न कहाँ तक पूरा हो सका।

उत्तर: हमारे जननायकों द्वारा स्वतंत्रता का सपना देखा गया था उसमें सभी को सुख-सुविधा और समानता पाने तथा मिल-जलकर प्रेम से रहने, भ्रष्टाचार मुक्त भारत में सबके साथ एक समान व्यवहार करने के सुंदर दृश्य की कल्पना की गई थी।

प्रश्नः 5. बापू अनीति किसे मानते थे? उनकी राजनीति की आज क्या स्थिति है?

उत्तर: बापू उस राजनीति को अनीति कहते थे जिसमें पवित्रता, प्रेम, अहिंसा शांति जैसे सुधर्म का मेल न हो। उनकी राजनीति में अब गांधीवाद, सद्भाव, त्याग, तप आदि मर चुका है। देश-प्रेम के नाम पर व्यवसाय किया जा रहा है और सर्वत्र स्वार्थ का बोलबाला है।

(लेखन-विभाग)

प्र-2 निम्नलिखित विषयों पर निबंध लिखिए।

1) दशहरा (विजयदशमी)

रूपरेखा

1. भूमिका, आस्था का प्रतीक
2. मनाने की तिथि या समय
3. मनाने के कारण (पौराणिक कथा)
4. मनाने का ढंग या रूप
5. उपसंहार

भूमिका

समय-समय पर भारत के त्योहार आकर हमें कोई न कोई संदेश अथवा प्रेरणा देते रहते हैं। ये त्योहार हमारे प्राचीन गौरव के प्रतीक हैं। इन त्योहारों के आधार पर ही हम अपनी प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से जुड़े रहते हैं। भारत के विभिन्न त्योहारों में दशहरा भी एक विशेष त्योहार है जो विजयदशमी के नाम से भी प्रसिद्ध है। त्योहार मनाने का समय- दशहरे का पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी के दिन आता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रथमा से नवरात्र आरंभ होते हैं। नवरात्र नौ दिन तक चलते हैं, इन नौ दिनों में मंदिरों में दुर्गा पूजा की जाती है। नवमी के बाद दशमी को दशहरे का पर्व मनाया जाता है।

पौराणिक कथा

प्रत्येक त्योहार या पर्व को मनाने के पीछे कुछ न कुछ कारण अवश्य होता है। विजयदशमी का पवित्र दिन श्री राम कथा से जुड़ा है। इसी दिन राजा दशरथ के पुत्र श्री राम ने लंका के अत्याचारी राक्षसराज रावण का वध किया था। रावण के साथ श्री राम ने समस्त अत्याचारियों का विनाश किया और तभी से संपूर्ण देश में रामराज्य स्थापित हो गया था। इसी घटना की याद में यह त्योहार विशेष रूप से हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। बंगाल में इसे दुर्गा-पूजा के रूप में मनाया जाता है।

मनाने का रूप या ढंग

दशहरा पर्व से ठीक दस दिन पहले से उत्तर भारत में स्थान-स्थान पर श्री रामकथा (रामलीला) का आयोजन प्रारंभ हो जाता है। रामलीला रात्रि आठ बजे से शुरू की जाती है जो ग्यारह तक नियमित रूप से चलती है। रामलीला देखने गाँव-गाँव से शहर-शहर से विशाल जनसमूह उमड़ पड़ता है। इन्हीं दिनों स्थान-स्थान पर रामचरितमानस का पाठ भी दोहराया जाता है। लोग घर पर नवरात्रों के दिन व्रत रखते हैं और नौ दिन तक माँ दुर्गा की पूजा करते हैं। बंगाल में माँ दुर्गा की जिन प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की जाती है, उन्हें विजयदशमी के दिन नदी या समुद्र में विसर्जित कर दिया जाता है। इसी दिन श्री राम, लक्ष्मण, सीता तथा समस्त वानर-दल की आकर्षक झाँकियाँ निकाली जाती हैं। एक बड़े तथा खुले मैदान में लोग रावण, मेघनाद तथा कुंभकरण के बड़े-बड़े पुतले बनाते हैं। श्रीराम के रूप में एक व्यक्ति इन पुतलों पर अग्नि बाणों की वर्षा करता है। इन पुतलों में बहुत पटाखे होने के कारण वे फट-फट की आवाज करके धीरे-धीरे समाप्त हो जाते हैं। बच्चे इस प्रकार का दृश्य देखकर फूले नहीं समाते।

प्रेरणा

समाज के क्षत्रिय लोग इस दिन अपने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा करते हैं। व्यापारी लोग इस दिन को अत्यंत शुभ मानते हैं। विजयदशमी का त्योहार हमें प्रेरणा देता है कि धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, अच्छाई की बुराई पर सदा जीत होती है।

उपसंहार

इस दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम जीवन में सत्य, धर्म और अच्छाई के मार्ग पर चलते रहेंगे और श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास करेंगे।

2- मेरी माँ

प्रस्तावना

मेरे जीवन में यदि किसी ने मुझपर सबसे ज्यादे प्रभाव डाला है, तो वो मेरी माँ है। उसने मेरे जीवन में मुझे कई सारी चीजें सिखायी है जो मेरे पूरे जीवन मेरे काम आयेंगी। मैं इस बात को काफी गर्व के साथ कह सकता हूं कि मेरी माँ मेरी गुरु तथा आदर्श होने के साथ ही मेरे जीवन का प्रेरणा स्त्रोत भी है।

हमारे जीवन में प्रेरणा का महत्व

प्रेरणा एक तरह की अनुभूति है जो हमें किसी चुनौती या फिर कार्य को सफलतापूर्व प्राप्त करने में हमारी सहायता करती है। यह एक प्रकार की प्रवृति है, जो हमारे शारीरिक तथा सामाजिक विकास में हमारी सहायता करता है। किसी व्यक्ति तथा घटना से प्राप्त प्रेरणा हमें इस बात का अहसास करती है कि हम विकट परिस्थियों में भी किसी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है।

हम अपने क्षमताओं के विकास के लिए अन्य स्त्रोतों से प्रेरणा प्राप्त करते है, जिसमें मुख्यतः विख्यात व्यक्ति या फिर हमारे आस-पास का विशेष व्यक्ति हमें इस बात के लिए प्रेरित करता है कि यदि उसके द्वारा विकट परिस्थियों में भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है तो हमारे द्वारा भी यह कार्य अवश्य ही किया जा सकता है। कई लोगों के जीवन में पौराणिक या ऐतिहासिक व्यक्ति उनके प्रेरणा स्त्रोत होते हैं, तो कई लोगों के जीवन में प्रसिद्ध व्यक्ति या फिर उनके माता-पिता उनके प्रेरणा स्त्रोत होते है। मायने यह नही रखता कि आपका प्रेरणा स्त्रोत कौन है, मायने यह रखता है कि आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में उसके विचारों और तरीकों से कितने ज्यादे प्रभावित है।

मेरी माँ मेरी प्रेरणा

हरेक व्यक्ति के जीवन में कोई ना कोई उसका प्रेरणा स्त्रोत अवश्य होता है और उसी से वह अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा ग्रहण करता है। किसी के जीवन में उसके शिक्षक उसके प्रेरणा स्त्रोत हो सकते है, तो किसी के जीवन में कोई सफल व्यक्ति उसका प्रेरणा स्त्रोत हो सकता है लेकिन मेरे जीवन मैं अपने माँ को ही अपने सबसे बड़े प्रेरणा स्त्रोत के रुप में देखता हूं। वहीं वह व्यक्ति हैं जिन्होंने मुझे मेरे जीवन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।

आज तक के अपने जीवन में मैने अपने माँ को कभी विपत्तियों के आगे घुटने टेकते हुए नही देखा है। मेरे सुख-सुविधाओं के लिए उन्होंने कभी भी अपने दुखों की परवाह नही की वास्तव में वह त्याग और प्रेम की प्रतिमूर्ति है, मेरे सफलताओं के लिये उन्होंने ना जाने कितने कष्ट सहें है। उनका व्यवहार, रहन-सहन तथा इच्छाशक्ति मेरे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा है। मेरी माँ मेरी प्रेरणा स्त्रोत इसलिए भी है क्योंकि ज्यादेतर लोग कार्य करते हैं कि उन्हें प्रसिद्धि प्राप्त हो और वह समाज में नाम कमा सके लेकिन एक माँ कभी भी यह नही सोचती है वह तो बस अपने बच्चों को उनके जीवन में सफल बनाना चाहती है। वह जो भी कार्य करती है, उसमें उसका अपना कोई स्वार्थ नही होता है। यही कारण है कि मैं अपने माँ को पृथ्वी पर ईश्वर का एक रुप मानता हूं।

निष्कर्ष

वैसे तो सबके जीवन में उसका कोई ना कोई प्रेरणा स्त्रोत अवश्य ही होता है, जिसके कार्यों या बातों द्वारा वह प्रभावित होता है लेकिन मेरे जीवन में यदि कोई मेरा प्रेरणा स्त्रोत रहा है तो वह मेरा माँ है। उनके मेहनत, निस्वार्थ भाव, साहस तथा त्याग ने मुझे सदैव ही प्रेरित करने का कार्य किया है। उन्होंने मुझे समाजिक व्यवहार से लेकर ईमानदारी तथा मेहनत जैसी महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी हैं। यही कारण है कि मैं उन्हें अपना सबसे अच्छा शिक्षत, मित्र तथा प्रेरक मानता हूं।

3) होली

होली हर साल फाल्गुन मार्च के महीने में महीने में विभिन्न प्रकार के रगों के साथ मनाई जाती है। सभी घरों में तरह तरह के पकवान बनाये जाते हैं। होली हिंदुओं के एक प्रमुख त्योहार के रूम में जाना जाता है। होली सिर्फ हिन्दुओं ही नहीं बल्कि सभी समुदाय के लोगों द्वारा उल्लास के साथ मनाया जाता है। होली का त्योहार लोग आपस में मिलकर, गले लगकर और एक दूसरे को रंग लगाकर मनाते हैं। इस दौरान धार्मिक और फागुन गीत भी गाये जाते हैं। इस दिन पर हम लोग खासतौर से बने गुजिया, पापड़, हलवा, आदि खाते हैं। रंग की होली से एक

दिन पहले होलिका दहन किया जाता है।

होली का त्यौहार मनाने के पीछे एक प्राचीन इतिहास है। प्राचीन समय में हिरण्यकश्यप नाम के एक असुर हुआ करता था। उसकी एक दुष्ट बहन थी जिसका नाम होलिका था। हिरण्यकश्यप स्वयं को भगवान मानता था। हिरण्यकश्यप के एक पुत्र थे जिसका नाम प्रह्लाद था। वे भगवान विष्णु के बहुत बड़े भक्त थे। हिरण्यकश्यप भगवान विष्णु के विरोधी था। उन्होंने प्रह्लाद को विष्णु की भक्ति करने से बहुत रोका। लेकिन प्रह्लाद ने उनकी एक भी बात नहीं सुनी। इससे नाराज़ होकर हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को जान से मारने का प्रयास किया। इसके लिए हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका से मदद मांगी। क्योंकि होलिका को आग में न जलने का वरदान मिला हुआ था। उसके बाद होलिका प्रह्लाद को लेकर चिता में बैठ गई लेकिन जिस पर विष्णु की कृपा हो उसे क्या हो सकता है और प्रह्लाद आग में सुरक्षित बचे रहे जबकि होलिका उस आग में जल कर भस्म हो गई।

यह कहानी ये बताती है कि बुराई पर अच्छाई की जीत अवश्य होती है। आज भी सभी लोग लकड़ी, घास और गोबर के ढ़ेर को रात में जलाकर होलिका दहन करते हैं और उसके अगले दिन सब लोग एक दूसरे को गुलाल, अबीर और तरह-तरह के रंग डालकर होली खेलते हैं।भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में अलग अलग तरीके से मनाया जाता है। आज भी ब्रज की होली सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। लठमार होली जो कि बरसाने की है वो भी काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ पुरुषों को लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी तरह मथुरा और वृंदावन में भी १५ दिनों तक होली का पर्व मनाते हैं।

होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है इस त्यौहार से सीख लेते हुए हमें भी अपनी बुराइयों को छोड़ते हुए अच्छाई को अपनाना चाहिए। इस त्यौहार से में एक और सीखने को मिलती है कि कभी भी हमें अहंकार नहीं करना चाहिए क्योंकि अहंकार हमारे सोचने समझने की शक्ति को बंद कर देता है।हमें होली का त्यौहार अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूब धूमधाम से मनाना चाहिए।

प्र-3 निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए।

1)पर्यावरण में हो रही क्षति के सन्दर्भ में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का निवेदन करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

424, शालीमार बाग,
दिल्ली।
दिनांक 16 मार्च, 2020
सेवा में,
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।
विषय- अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के सम्बन्ध में।
महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं प्रशासन, सरकार व आम जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूँ कि वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई व कारखानों से निकलने वाले धुएँ के कारण पर्यावरण को अत्यधिक क्षति हो रही है। यद्यपि वन महोत्सव के अवसर पर वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आरम्भ किया जाता है तथा अनेक वृक्ष भी लगाए जाते हैं, परन्तु उनकी देखभाल नहीं की जाती जिसके कारण पर्यावरण में प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है।

मेरा सभी से निवेदन है कि हम सभी को मिलकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे जिससे हम पर्यावरण को सुरक्षित कर पाएँगे।

धन्यवाद।
भवदीय
राहुल

2)अपनी परीक्षा के विषय में पिताजी को पत्र ।

परीक्षा भवन
गुवाहाटी
'अ' नगर
16.1.2020

पूज्यवर पिताजी,
सादर चरण स्पर्श ।

ईश्वर की कृपा से मैं यहाँ सकुशल हूँ । आपकी कुशलता की आशा है । आपका पत्र मिला, जिसमें आपने मेरी परीक्षा के विषय में जानना चाहा था । मेरी परीक्षाएँ कल ही समाप्त हुई हैं । सभी विषयों के प्रश्न-पत्र बड़े सरल थे । मैंने पूरा प्रयत्न किया कि सभी प्रश्नों के उत्तर ठीक-ठाक लिखूँ ताकि अपनी कक्षा में सबसे अधिक अंक पा सकूँ पिछली बार की जाँच परीक्षा में भी मेरे अंक अच्छे रहे, लेकिन हिन्दी में कुछ कम अंक आने के कारण मैं अपनी कक्षा में तीसरे स्थान पर रहा ।इसीलिए इस बार परीक्षा से पहले मैंने और अधिक अच्छी तैयारी की थी ।

आशा है, इस बार मैं निश्चय ही प्रथम स्थान प्राप्त कर सकूँगी । माताजी को मेरा सादर प्रणाम । भाई-बहनों को मेरा प्यार । पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में,

आपकी आज्ञाकारिणी पुत्री
निशा

3) 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने की अपील करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

12, मुखर्जी नगर,
नई दिल्ली।
दिनांक- 24 मई 2020

सेवा में,
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
नई दिल्ली।

विषय- 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने हेतु।

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से सभी लोगों का ध्यान 'स्वच्छ भारतअभियान' की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। गाँधी जी की 140 वीं जयन्ती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अभियान के आरम्भ करने की घोषणा की थी। इस स्वच्छता अभियान में हम सभी भारतीयों का कर्त्तव्य है कि हम इस अभियान को सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें। 'स्वच्छ भारत अभियान' वैयक्तिक एवं सामाजिक दोनों स्तर पर अत्यधिक लाभप्रद होगा।

अतः मेरी सभा से अपील है कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं को, अपने घर को, अपने पड़ोस को, अपने मोहल्ले को, अपने जिले को, अपने राज्य को और अपने देश को स्वच्छ रखने में सहयोग दें।

धन्यवाद।
भवदीया
ऋतिका

प्र–4 निम्नलिखित विषयों पर संवाद लेखन लिखिए।

1)रोगी और वैद्य का संवाद|

रोगी- (औषधालय में प्रवेश करते हुए) वैद्यजी, नमस्कार!
वैद्य- नमस्कार! आइए, पधारिए! कहिए, क्या हाल है ?
रोगी- पहले से बहुत अच्छा हूँ। बुखार उतर गया है, केवल खाँसी रह गयी है।
वैद्य- घबराइए नहीं। खाँसी भी दूर हो जायेगी। आज दूसरी दवा देता हूँ। आप जल्द अच्छे हो जायेंगे।
रोगी- आप ठीक कहते हैं। शरीर दुबला हो गया है। चला भी नहीं जाता और बिछावन (बिस्तर) पर पड़े-पड़े तंग आ गया हूँ।
वैद्य- चिंता की कोई बात नहीं। सुख-दुःख तो लगे ही रहते हैं। कुछ दिन और आराम कीजिए। सब ठीक हो जायेगा।
रोगी- कृपया खाने को बतायें। अब तो थोड़ी-थोड़ी भूख भी लगती है।
वैद्य- फल खूब खाइए। जरा खट्टे फलों से परहेज रखिए, इनसे खाँसी बढ़ जाती है। दूध, खिचड़ी और मूँग की दाल आप खा सकते हैं।
रोगी- बहुत अच्छा! आजकल गर्मी का मौसम है; प्यास बहुत लगती है। क्या शरबत पी सकता हूँ?
वैद्य- शरबत के स्थान पर दूध अच्छा रहेगा। पानी भी आपको अधिक पीना चाहिए।
रोगी- अच्छा, धन्यवाद! कल फिर आऊँगा।
वैद्य- अच्छा, नमस्कार।

2) पिता और पुत्र में वार्तालाप ।

पिता- बेटे अतुल, कैसा रहा तुम्हारा परीक्षाफल ?
पुत्र- बहुत अच्छा नहीं रहा, पिताजी।
पिता- क्यों ? बताओ तो कितने अंक आए हैं ?
पुत्र- हिन्दी में सत्तर, अंग्रेजी में बासठ, कामर्स में अस्सी, अर्थशास्त्र में बहत्तर.....
पिता- अंग्रेजी में इस बार इतने कम अंक क्यों हैं ? कोई प्रश्न छूट गया था ?
पुत्र- पूरा तो नहीं छूटा ..... सबसे अंत में 'ऐस्से' लिखा था, वह अधूरा रह गया।
पिता- तभी तो..... । अलग-अलग प्रश्नों के समय निर्धारित कर लिया करो, तो यह नौबत नहीं आएगी। खैर, गणित तो रह ही गया।
पुत्र- गणित का पर्चा अच्छा नहीं हुआ था। उसमें केवल पचास अंक आए हैं।
पिता- यह तो बहुत खराब बात है। गणित से ही उच्च श्रेणी लाने में सहायता मिलती है।
पुत्र- पता नहीं क्या हुआ, पिताजी। एक प्रश्न तो मुझे आता ही नहीं था। शायद पाठ्यक्रम से बाहर का था।
पिता- एक प्रश्न न करने से इतने कम अंक तो नहीं आने चाहिए।
पुत्र- एक और प्रश्न बहुत कठिन था। उसमें शुरू से ही ऐसी गड़बड़ी हुई कि सारा प्रश्न गलत हो गया।
पिता- अन्य छात्रों की क्या स्थिति है ?
पुत्र- बहुत अच्छे अंक तो किसी के भी नहीं आए पर मुझसे कई छात्र आगे हैं।
पिता- सब अभ्यास की बात है बेटे ! सुना नहीं 'करत करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।' तुम तो स्वयं समझदार हो। अब वार्षिक परीक्षाएँ निकट है। दूरदर्शन और खेल का समय कुछ कम करके उसे पढ़ाई में लगाओ।
पुत्र- जी पिताजी, मैं कोशिश करूँगा कि अगली बार गणित में पूरे अंक लाऊँ।
पिता- मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।

3) परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

अक्षर- नमस्ते विमल, कुछ परेशान से दिखते हो?
विमल- नमस्ते अक्षर, कल हमारी गणित की परीक्षा है।
अक्षर- मैंने तो पूरा पाठ्यक्रम दोहरा लिया है, और तुमने?
विमल- पाठ्यक्रम तो मैंने भी दोहरा लिया है, पर कई सवाल ऐसे हैं, जो मुझे नहीं आ रहे हैं।
अक्षर- ऐसा क्यों?
विमल- जब वे सवाल समझाए गए थे, तब बीमारी के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका था।
अक्षर- कोई बात नहीं चलो, मैं तुम्हें समझा देता हूँ। शायद तुम्हारी समस्या हल हो जाए।
विमल- पर इससे तो तुम्हारा समय बेकार जाएगा।
अक्षर- कैसी बातें करते हो यार, अरे, तुम्हें पढ़ाते हुए मेरा दोहराने का काम स्वतः हो जाएगा। फिर, इतने दिनों की मित्रता कब काम आएगी।
विमल- पर, मैं उस अध्याय के सूत्र रट नहीं पा रहा हूँ।
अक्षर- सूत्र रटने की चीज़ नहीं, समझने की बात है। एक बार यह तो समझो कि सूत्र बना कैसे। फिर सवाल कितना भी घुमा-फिराकर आए तुम ज़रूर हल कर लोगे।
विमल- तुमने तो मेरी समस्या ही सुलझा दी। चलो अब कुछ समझा भी दो।

प्र-5 निम्नलिखित विषयों पर सूचना लिखिए|

1. आपके विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

सूचना
डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल
नाटक मंचन का आयोजन
दिनांक : 24/07/2019

इस विद्यालय के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन किया जाएगा। जो भी छात्र नाटक में अभिनय करने के इच्छुक हों, वे 03 अगस्त 2019 को अंतिम दो कक्षा में स्क्रीन टेस्ट हेतु विद्यालय के सभागार में उपस्थित रहें।

राकेश कुमार
छात्र सचिव

2. आप जी० डी० गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, वेसू सूरत में हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं। आपके विद्यालय में आयोजित दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें।

सूचना
जी० डी० गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, वेसू, सूरत

दोहा गायन प्रतियोगिता का आयोजन
26 जुलाई 2019

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक-10 अगस्त 2019 को विद्यालयी दोहा गायन प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जाता है। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 30 जुलाई 2019 तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें।

मेहुल शर्मा
सचिव
हिंदी साहित्य समिति

3. आप हिन्दी छात्र परिषद के सचिव प्रगण्य हैं। आगामी सांस्कृतिक संध्या के बारे में 25-30 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

सूचना
डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल ,चण्डीगढ़
25 जुलाई, 2019
सांस्कृतिक संध्या का आयोजन
सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय में 3 अगस्त 2019 को सांय 5 :00 से 10:00 बजे तक विद्यालय सभागार में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा। इच्छुक छात्र अपना योगदान दे सकते हैं।
हिन्दी छात्र परिषद सचिव
साक्षी मेहता

प्र-6 निम्नलिखित चित्रों को देखकर उसका वर्णन कीजिए |

यह दृश्य किसी महानगर के चौराहे का है। लाल बत्ती होने के कारण गाड़ियाँ रुकी हुई हैं। फुटपाथ पर एक बच्चा एक वृद्ध महिला को सड़क पार करवा रहा है। एक व्यक्ति अपने स्कूटर को आधे फुटपाथ तक ले आया है यह नियम के विरुद्ध है यातायात के लिए बनाए गए नियमों का पालन न करने से ही दुर्घटनाएँ होती हैं। कुछ लोग हरी बत्ती होने का इंतजार नहीं करते और गाड़ी दौड़ाकर ले जाते हैं। ऐसा करते समय गाड़ियाँ परस्पर टकरा जाती हैं और दुर्घटना हो जाती है। अतः वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए।

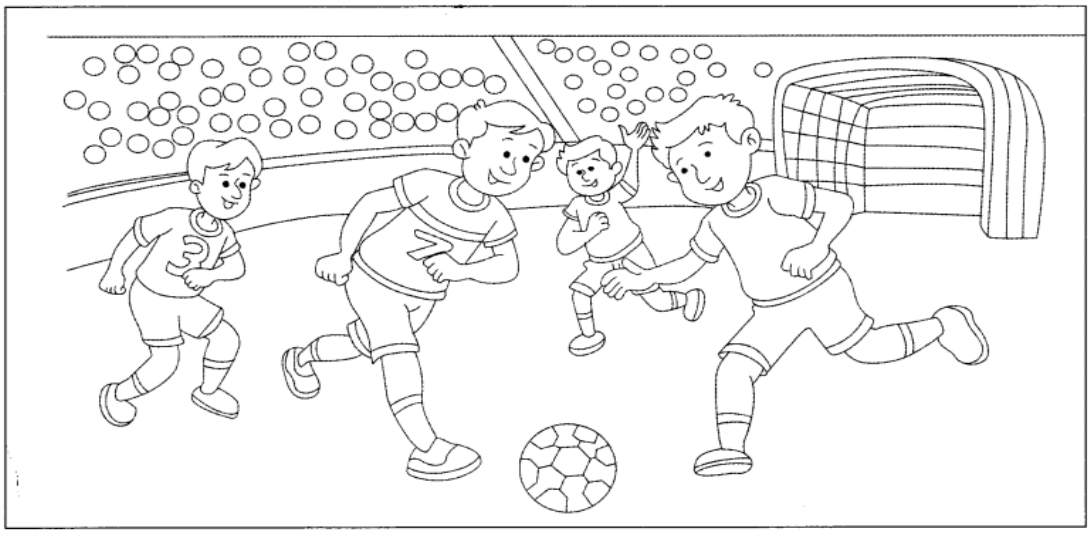

यह नई दिल्ली में खेले जा रहे अंडर-17 फुटबॉल विश्व कप के फुटबॉल मैच का एक दृश्य है। इसमें खिलाड़ियों का जोश देखते ही बन रहा है। भारतीय खिलाड़ी गेंद को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और गोल करना चाहते हैं। अमेरिकी खिलाडी इस गोल को बचाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मैच बहुत शानदार चल रहा है| लोग बड़े चाव से इस खेल को देख रहे है |

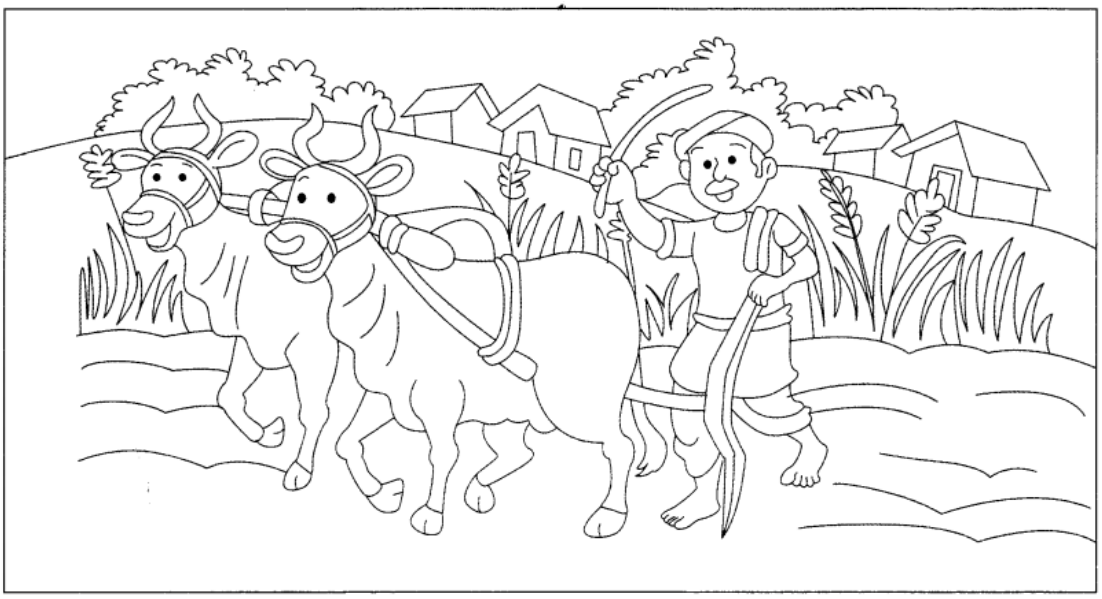

यह भारतीय किसान का चित्र है। किसान परिश्रम एवं सरलता की मूर्ति होता है। वह अपने कठोर परिश्रम से बंजर धरती को भी हरा-भरा बना देता है। किसान अनाज उगाकर दूसरों का पेट भरता है। उसका परिश्रमी जीवन देखकर ही हमारे पूर्व प्रधानमंत्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया था। किसान कड़ी महेनत करके हमें अनाज देता है| इस चित्र में किसान खेती कर रहा है और वह खेती करते हुए बड़ा खुश नजर आ रहा है |

(व्याकरण–विभाग)

प्र-7 क्रियाविशेषण के भेद लिखिए |

1. कालवाचक क्रियाविशेषण:

वो क्रियाविशेषण शब्द जो क्रिया के होने के समय के बारे में बताते हैं, कालवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

- श्यामू **कल** मेरे घर आया था।
- **परसों** बरसात होगी।
- मैंने **सुबह** खाना खाया था।
- मैं **शाम** को खेलता हूँ।
- मैं **सुबह** जल्दी उठता हूँ।
- मैं **दोपहर** में स्कूल से लौटता हूँ।
- हम अक्सर **शाम** को खेलने जाते हैं
- आज बरसात होगी।

राम कल मेरे घर आएगा।
वह कल आया था।
तुम अब जा सकते हो।

2. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ऐसे क्रियाविशेषण शब्द जो किसी क्रिया के होने की विधि या तरीके का बोध कराते हैं, वह शब्द रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

- सुरेश ध्यान से चलता है।
- वह फटाफट खाता है।
- अमित गलत चाल चलता है।
- उमेश हमेशा सच बोलता है।
- पियूष अच्छी तरह काम करता है।
- नरेन्द्र ध्यान पूर्वक पढ़ाई करता है।
- शेर धीरे-धीरे आगे बढ़ता है।

अचानक काले बादल घिर आए।
हरीश ध्यान पूर्वक पढ़ रहा है।
रमेश धीरे -धीरे चलता है।
वह तेज भागता है।

3. स्थानवाचक क्रियाविशेषण :

ऐसे अविकारी शब्द जो हमें क्रियाओं के होने के स्थान का बोध कराते हैं, वे शब्द स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

- तुम अन्दर जाकर बैठो।
- मैं बाहर खेलता हूँ।
- हम छत पर सोते हैं।
- मैं पेड़ पर बैठा हूँ।
- शशि मुझसे बहुत दूर बैठी है।
- मुरारी मैदान में खेल रहा है।
- तुम अपने दाहिने ओर गिर जाओ।
- बच्चे ऊपर खेलते हैं।

अब वहाँ अकेला मजदूर था।
तुम बाहर बैठो।
वह ऊपर बैठा है।

4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

ऐसे क्रियाविशेषण शब्द जिनसे हमें क्रिया के परिमाण, संख्या या मात्र का पता चलता है, वे शब्द परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

जैसे:

- तुम थोड़ा अधिक खाओ।
- अमृत बहुत ज्यादा दौड़ता है।
- मोहन अधिक खाना खाता है।
- आयुष उसके दोस्त से ज्यादा पढता है।
- अभी तक तुमने पर्याप्त नींद नहीं ली।

प्र-8 मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए |

1) **अँगूठा दिखाना-** (समय पर धोखा देना)-
अपना काम तो निकाल लिया, पर जब मुझे जरूरत पड़ी, तब अँगूठा दिखा दिया। भला, यह भी कोई मित्र का लक्षण है।
2) **अंधेर मचना-** (अत्याचार करना)- औरंगजेब ने अपने शासनकाल में बहुत अंधेर मचाया था।
3) **अगर-मगर करना**- (टाल-मटोल करना) – माँ ने अंकित से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।
4) **कान भरना** - (चुगली करना) – विशाल को कान भरने की बुरी आदत है।
5) **आग बबूला होना**- (अति क्रुद्ध होना)- राधा जरा-सी बात पर आग बबूला हो गई।
6) **ख़ाक छानना -** (भटकना)- नौकरी की खोज में वह खाक छानता रहा।
7) **आँखें चुराना**- (अपने को छिपाना) – गलत काम करके आँखें चुराने से कुछ नहीं होगा।
8) **गाँठ में बाँधना -** (खूब याद रखना)- यह बात गाँठ में बाँध लो, तन्दुरुस्ती रही तो सब रहेगा।
9) **चेहरे का रंग उड़ना-** (निराश होना)- जब रानी को परीक्षा में फेल होने की सूचना मिली तो उसके चेहरे का रंग उड़ गया।
10) **ईंट-से ईंट बजाना-** (विनाश करना) – पांडवों ने कौरव-सेना की ईंट-से ईंट बजा दी।

11) आसमान सिर पर उठाना (बहुत शोर करना) – अध्यापक के कक्षा से चले जाने पर बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया।

12) अम्बर के तारे गिनना- नींद न आना।
तुम्हारे वियोग में मैं रातभर अम्बर के तारे गिनता रहा।

13) ईद का चाँद होना- बहुत दिनों बाद दिखाई देना
तुम तो कभी दिखाई ही नहीं देते, तुम्हे देखने को तरस गया, ऐसा लगता है कि तुम ईद के चाँद हो गए हो।

14) उबल पड़ना - एकाएक क्रोधित होना
दादी माँ से सब बच्चे डरते हैं, पता नहीं वे कब उबल पड़ें।

15) एक से इक्कीस होना - उन्नति करना
सेठ जी की दुकान चल पड़ी हैं, अब तो शीघ्र ही एक से इक्कीस हो जाएँगे।

प्र-9 अनेक शब्दों के एक शब्द

1) इतिहास से संबंध रखने वाला– ऐतिहासिक
2) एक सप्ताह में होने वाला– साप्ताहिक
3)ऋषियों के रहने का स्थान– आश्रम
4) कठिनता से प्राप्त होने वाला – दुर्लभ
5)किसी से भी न डरना वाला– निडर
6) किसी प्राणी को न मारना – अहिंसा
7)जिस स्त्री का पति जीवित हो– सधवा
8) जिसकी कोई सीमा न हो – असीम
9)जहाँ लोगों का मिलन हो– सम्मेलन
10) जिसके आने की तिथि न हो – अतिथि
11)जो आँखों के सामने न हो – परोक्ष
12) वन में रहने वाला मनुष्य– वनवासी
13)तेज़ गति से चलने वाला – द्रुतगामी
14) जिसका कोई कारण न हो – अकारण
15)जो देखने योग्य हो- दर्शनी
16) जो पढ़ने योग्य हो- पठनीय
17)जिसमें रस न हो- नीरस
18) शहर में रहने वाला- शहरी
19)जो गाना गाती हो -गायिका
20) विज्ञान से संबंध रखने वाला- वैज्ञानिक
21)इतिहास से संबंध रखने वाला- ऐतिहासिक
22) समाज-सेवा करने वाला- समाज-सेवक
23)जो पुरुष कविता रचता है- कवि
24) जो स्त्री कविता रचती है- कवयित्री
25)जो गाना गाता हो- गायक
26) शरण में आया हुआ- शरणागत
27)अत्याचार करने वाला- अत्याचारी
28) जंगल में रहने वाला- जंगली
29)जल में रहने वाला- जलचर
30) भाषण देने वाला- वक्ता
31)भाषण सुनने वाला- श्रोता
32) जो कभी न मरे- अमर
33)जो कभी बूढ़ा न हो- अजर
34) जहाँ जाना कठिन हो- दुर्गम
35)जिसे पाना कठिन हो- दुर्लभ

प्र-10 विराम चिह्न को पहचानकर उनके नाम लिखिए |

(1) अल्प विराम (Comma) (,)
(2) अर्द्ध विराम (Semi colon) (;)
(3) पूर्ण विराम(Full-Stop) (।)
(4) उप विराम (Colon) [:]
(5) विस्मयादिबोधक चिह्न (Sign of Interjection)(!)
(6) प्रश्नवाचक चिह्न (Question mark) (?)
(7) कोष्ठक (Bracket) (())
(8) योजक चिह्न (Hyphen) (-)
(9) अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न ("... ")
(10) लाघव चिह्न (Abbreviation sign) (o)
(11) आदेश चिह्न (Sign of following) (:-)
(12) रेखांकन चिह्न (Underline) (_)
(13) लोप चिह्न (Mark of Omission)(...)

प्र-11 निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए |

1– कोयल मीठा गाता है।	उत्तर- कोयल मीठा गाती है।
2– ये बक्सा बहुत भारी है।	उत्तर – यह बक्सा बहुत भारी है।
3 – इस वर्ष गेहूँ का फ़सल अच्छा हुआ।	उत्तर – इस वर्ष गेहूँ की फ़सल अच्छी हुई।
4 – पैंट सिल गया है, पर बटन नहीं टँका है ।	उत्तर – पैंट सिल गई है, पर बटन नहीं टँकें हैं।
5 – आपके एक-एक शब्द प्रभावशाली होते।	उत्तर – आपका एक-एक शब्द प्रभावशाली होता ।
6– कक्षा में बीस बच्चा अवश्य होना चाहिए।	उत्तर – कक्षा में बीस बच्चे अवश्य होने चाहिए।
7 – मेरा भाई कल को आएगा।	उत्तर – मेरा भाई कल आएगा।
8- वह लोग कल आ जाएँगे।	उत्तर – वे लोग कल आ जाएँगे।
9 – तुम तुम्हारी किताब निकालो।	उत्तर – तुम अपनी किताब निकालो।
10 – मेरे को तेरे से जरूरी काम	उत्तर – मुझे तुझसे ज़रूरी काम है।
11 – इन सबों ने मेरी शिकायत करी।	उत्तर – इन सबने मेरी शिकायत की।
12– मैंने आज काम पूरा कर लेना है।	उत्तर –मैं आज काम पूरा कर लूंगा।

(साहित्य-विभाग)

प्र-12 सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) रानी लक्ष्मीबाई किसकी मुँहबोली बहन थी?
(i) अजीमुल्ला खाँ (ii) अहमदशाह
(iii) कुँवर सिंह **(iv) नाना धुंधूपंत पेशवा**

(2) कवयित्री ने झाँसी की रानी की कथा किसके मुँह से सुनी थी?
(i) मराठों के **(ii) बुंदेलों के**
(iii) अपने अध्यापक के (iv) कवियों के

(3) नाना साहब कहाँ के रहने वाले थे?
(i) इलाहाबाद (ii) झाँसी
(iii) कानपुर (iv) ग्वालियर

(4) इनमें किस पेड़ की छाल चिकनी होती है?
(i) चीड़ **(ii) भोज-पत्रे**
(iii) पीपल (iv) बरगद

(5) "जो देखकर भी नहीं देखते' पाठ के लेखक कौन हैं?
(i) प्रेमचंद (ii) सुंदरा स्वामी
(iii) जया विवेक **(iv) हेलेन केलर**

(6) नेहरू जी ने यह पत्र किसको लिखा था?
(i) भारत के बच्चों को **(ii) अपनी पुत्री इंदिरा को**
(iii) भारत के साहित्यकारों को (iv) धार्मिक नेताओं को

(7) लेखक ने प्रकृति के अक्षर किसे कहा है?
(i) पहाड़ों को (ii) नदी और मैदानों को
(iii) पक्षियों और पेड़ों को **(iv) उपर्युक्त सभी**

(8) किसी भाषा को सीखने के लिए सबसे पहले क्या सीखना होता है?
(i) वर्ण (ii) शब्द
(iii) वाक्य **(iv) शब्दांश**

(9) लोकगीतों की भाषा कैसी होती है?
(i) संस्कृतनिष्ठ (ii) शास्त्रीय
(iii) आम बोलचाल (iv) अनगढ़

(10) इनमें से कौन बंगाल का लोकगीत है?

(i) कजरी **(ii) बाउल**

(iii) पूरबी (iv) सावन

(11) भारत में बाँस किस प्रांत में अधिक पाया जाता है?

(i) नागालैंड (ii) असम

(iii) मणिपुर व त्रिपुरा **(iv) उपर्युक्त सभी**

(12) बूढ़ा बाँस कैसा होता है?

(i) नरम (ii) कमजोर

(iii) सख्त (iv) लचीला

(13) 'साँस-साँस में बाँस' पाठ में किस राज्य की बात की जा रही है?

(i) मणिपुर (ii) त्रिपुरा

(iii) असम **(iv) नागालैंड**

प्र-13 निम्नलिखित अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) रानियों और बेगमों की क्या दशा थी?

उत्तर- वे परेशान थीं, क्योंकि उनके कपड़े और गहने खुलेआम बाजारों में बेचे जा रहे थे।

2) महल में खुशी का कारण क्या था?

उत्तर- विवाह के बाद रानी लक्ष्मीबाई का महल में आना खुशी का प्रमुख कारण था।

3) लेखिका के कानों में किसके मधुर स्वर गूंजने लगते थे?

उत्तर- लेखिका के कानों में चिड़ियों के मधुर स्वर गूंजने लगते थे।

4) इस दुनिया के लोग कैसे हैं?

उत्तर- इस दुनिया के अधिकांश लोग संवेदनहीन हैं। वे अपनी क्षमताओं की कद्र करना नहीं जानते।

5) हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती है?

उत्तर- हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा यह परखने के लिए लेती है कि वे क्या देखते हैं।

6) एक रोड़ा दरिया में लुढ़कता-लुढ़कता किस रूप में बदल जाता है?

उत्तर- रोड़ा दरिया में लुढ़कते-लुढ़कते छोटा होता जाता है और अंत में रेत का कण बन जाता है।

7) लेखक ने "प्रकृति के अक्षर" किन्हें कहा है?

उत्तर:-लेखक ने प्रकृति के अक्षर चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, नदियों, समुद्र,जानवरों की हड्डियाँ आदि को कहा है।

8) हम इतिहास में क्या पढ़ते हैं?

उत्तर- हम इतिहास में विभिन्न देशों के बीते हुए समय की जानकारी पढ़ते हैं,जैसे हिंदुस्तान और इंग्लैंड का इतिहास।

9) लोकगीत किससे जुड़े हैं?

उत्तर- लोकगीत सीधे आम जनता से जुड़े हैं? ये घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं।

10) वास्तविक लोकगीतों का संबंध कहाँ से है?

उत्तर- वास्तविक लोकगीतों का संबंध देश के गाँवों और देहातों से है।

11) बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने क्या किया?

उत्तर- बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने घायलों को स्ट्रेचर पर ढोया था।

12) गांधी जी घर के लिए आटा कैसे तैयार करते थे?

उत्तर-गांधी जी ज़रूरत का महीन या मोटा आटा सुबह-शाम चक्की से पीसकर तैयार कर लेते थे।

13) गांधी जी लिखते समय किस बात का ध्यान रखते थे?

उत्तर–गांधी जी रात को लालटेन की रोशनी में पत्र लिखते थे। जब तेल खत्म हो जाता तब वे चंद्रमा की रोशनी में पत्र पूरा करते थे।

15) बाँस से क्या-क्या चीजें बनाई जाती हैं?

उत्तर- बाँस से चटाइयाँ, टोकरियाँ, बरतन, बैलगाड़ियाँ, फ़र्नीचर, खिलौने, सजावटी सामान, जाल, मकान, पुल आदि चीजें बनाई जाती हैं|

16) बूढ़े बाँस की क्या पहचान है?

उत्तर- तीन साल से अधिक आयु का बाँस बूढ़ा माना जाता है। बूढ़ा बाँस सख्त होता है जिसके कारण बहुत जल्दी टूट जाता है।

(बाल-रामायण)

1) राम ने लक्ष्मण को क्या आदेश दिया था?

उत्तर- राम ने लक्ष्मण को उनके लौटने तक सीता की रक्षा का आदेश दिया था ।

2) सीता क्या सुनकर विचलित हो गई?

उत्तर - सीता मायावी पुकार सुनकर विचलित हो गई ।

3) लक्ष्मण के जाते ही कौन आ पहुँचा?

उत्तर - लक्ष्मण के जाते ही रावण आ पहुँचा ।

4) रावण किस वेश में आया था?

उत्तर - रावण तपस्वियों के वेश में आया था ।

5) रावण ने सीता के किन गुणों की प्रशंसा की?

उत्तर - रावण ने सीता के स्वरुप, संस्कार और साहस की प्रशंसा की ।

6) रावण सीता को लेकर सीधे कहाँ गया?

उत्तर - रावण सीता को लेकर सीधे अपने अंतःपुर में गया।

7) कबंध ने राम से क्या आग्रह किया?

उत्तर - कबंध ने राम से आग्रह किया कि उसका अंतिम संस्कार राम करें।

8) वानरराज सुग्रीव` कहाँ रहते थे?

उत्तर - वानरराज सुग्रीव पंपा सरोवर के निकट ऋष्यमूक पर्वत पर रहते थे।

9) पंपा सरोवर के पास किसका आश्रम था?

उत्तर - पंपा सरोवर के पास मतंग ऋषि का आश्रम था।

10) शबरी कौन थी और वो कहाँ रहती थी?

उत्तर - शबरी मतंग ऋषि की शिष्या थी और वह मतंग ऋषि के आश्रम में ही रहती थी।

11) सुग्रीव के बड़े भाई का क्या नाम था?

उत्तर - सुग्रीव के बड़े भाई का नाम बाली था।

12) सुग्रीव के प्रमुख साथी कौन थे?

उत्तर - सुग्रीव के प्रमुख साथी हनुमान थे।

13) किसने सुग्रीव को उनका राम को दिया वचन याद दिलाया?

उत्तर- हनुमान ने सुग्रीव को उनका राम को दिया वचन याद दिलाया ।

14) वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने किसे दिया?

उत्तर- वानरसेना एकत्र करने का आदेश सुग्रीव ने सेनापति नल को दिया ।

15) सुरसा कौन थी और वह क्या चाहती थी?
उत्तर - सुरसा विराट शरीर वाली राक्षसी थी और वह हनुमान को खा जाना चाहती थी ।
16) रावण की रानी का क्या नाम था?
उत्तर- रावण की रानी का नाम मंदोदरी था।
17) कुंभकर्ण कौन था?
उत्तर - कुंभकर्ण रावण का भाई था। वह एक महाबली था जो छह महीने सोता था।
18) हनुमान कौन सी बूटी लाए?
उत्तर - हनुमान संजीवनी बूटी लाए।
19) राम का राजतिलक किसने किया?
उत्तर -राम का राजतिलक मुनि वशिष्ठ ने किया।
20) सीता ने आपने गले का हार किसे दिया?
उत्तर - सीता ने आपने गले का हार हनुमान को दिया।

प्र-14 निम्नलिखित लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) भारतीयों ने अंग्रेजों को दूर करने का निश्चय क्यों किया था?
उत्तर- भारत कई सौ वर्षों तक गुलाम रहा। इस कारण यहाँ के लोग स्वतंत्रता के महत्त्व को भूल गए थे। इस आंदोलन से उन्हें स्वतंत्रता का महत्त्व को समझ में आ गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि फिरंगी धीरे-धीरे अपने साम्राज्य का विस्तार कर रहे हैं। इस कारण भारतीयों ने अंग्रेज़ों को दूर भगाने का निश्चय किया।
2) झाँसी की रानी के जीवन से हम क्या प्रेरणा ले सकते हैं?
उत्तर- झाँसी की रानी के जीवन से हम देश के लिए मर मिटने, स्वाभिमान से जीने, विपत्तियों से न घबराने, साहस, दृढ़ निश्चय, नारी अबला नहीं सबला है आदि की प्रेरणा ले सकते हैं।
3) मनुष्य का स्वभाव क्या है?
उत्तर- मनुष्य अपनी क्षमताओं की कदर नहीं करता। वह अपनी ताकत और अपने गुणों को नहीं पहचानता। वह नहीं जानता कि ईश्वर ने उसे आशीर्वाद स्वरूप क्या-क्या दिया है और उसका उपयोग नहीं कर सकता है। मनुष्य केवल उस चीज़ के पीछे भागता रहता है, जो उसके पास नहीं है। यही मनुष्य का स्वभाव है।
4) लेखक ने संसार को पुस्तक क्यों कहा है?
उत्तर-जैसे पुस्तक पढ़कर बहुत-सी जानकारी प्राप्त की जा सकती है, वैसे ही संसार में रहकर भी हमें बहुत-सी जानकारियाँ प्राप्त हो सकती हैं। इसलिए लेखक ने संसार को पुस्तक कहा है।
5) लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?
उत्तर:-लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी और उस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी। इसी कारण उस समय धरती पर मनुष्यों का अस्तित्व नहीं था।धीरे-धीरे उसमें परिवर्तन होते गए और धरती में जानवरों और पौधे का जन्म हुआ।
6) स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले लोकगीतों की क्या विशेषता है?
उत्तर- गाँवों में स्त्रियाँ प्राचीन काल से ही लोकगीत गाती आ रही हैं? इनके गीत आमतौर पर दल बाँधकर ही गाए जाते हैं। अनेक कंठ एक साथ फूटते हैं। यद्यपि अधिकतर उनमें मेल नहीं होता, फिर भी त्योहारों और शुभ अवसरों पर वे बहुत ही भले लगते हैं। स्त्रियाँ ढोलक के साथ गाती हैं।
7) आश्रम के निर्माण के समय कौन-सी घटना घटित हुई?
उत्तर-आश्रम के निर्माण के समय वहाँ आने वाले मेहमानों को तंबुओं में सोना पड़ता था। एक नवागत को पता नहीं था कि अपना बिस्तर कहाँ रखना चाहिए, इसलिए उसने बिस्तर को लपेटकर रख दिया और यह पता लगाने गया कि उसे कहाँ रखना है। लौटते समय उसने देखा कि गांधी जी खुद उसका बिस्तर कंधे पर उठाए रखने चले जा रहे हैं।

8) नौकरों के बारे में गांधी जी के क्या विचार थे?

उत्तर- गांधी जी नौकरों को भी अपने भाइयों के समान मानते थे। उनका विचार था कि नौकर वेतन लेने वाले मजदूर नहीं। हमें उनके साथ सदैव भाई जैसा व्यवहार करना चाहिए।

9) बाँस की बुनाई कैसे होती है?

उत्तर- बाँस की बुनाई वैसी ही होती है जैसे कोई और बुनाई। पहले खपच्चियों को आड़ा-तिरछा रखा जाता है, फिर बाने को। बारी-बारी से ताने से ऊपर-नीचे किया जाता है। इससे चेक का डिजाइन बनता है। पलंग की निवाड़ की बुनाई की तरह। टोकरी के सिरे पर खपच्चियों को या तो चोटी की तरह गूंथ लिया जाता है या फिर कटे सिरों को नीचे की ओर मोड़कर फँसा दिया जाता है।

प्र-15 दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) नेहरू जी ने पुत्री को क्या सलाह दी?

उत्तर-नेहरूजी ने पुत्री को कहा कि इंग्लैंड केवल एक छोटा-सा टापू है और हिंदुस्तान, जो एक बहुत बड़ा देश है, फिर भी दुनिया का एक छोटा-सा हिस्सा है। अगर तुम्हें इस दुनिया का कुछ हाल जानने का शौक है, जो तुम्हें सब देशों को और उन सब जातियों का जो इसमें बसी हुई हैं, का ध्यान रखना पड़ेगा, केवल उस एक छोटे-से देश का नहीं जिसमें तुम पैदा हुई हो।

2) 'पर सारे देश के अपने-अपने विद्यापति हैं' इस वाक्य का क्या अर्थ है?

उत्तर:-कवि विद्यापति बहुत प्रसिद्ध कवि हैं। उन्हें 'मैथिल कोकिल'भी कहा जाता है ।आज भी विद्यापति के गीत पूरब में हमें सुनने के लिए मिलते हैं।पर सारे देश के.....अपने-अपने विद्यापति हैं' इस वाक्य को लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि अपने-अपने इलाके में जो लोग इस प्रकार के लोकगीतों की रचना करते हैं,वे विद्यापति के समान हैं।

3) जैसे-जैसे शहर फैल रहे हैं और गाँव सिकुड़ रहे हैं, लोकगीतों पर उनका क्या असर पड़ रहा है?

उत्तर:-अब गाँव भी शहरीकरण से अछूते नहीं रह गए हैं। सिनेमा, घर-घर टेलीविजन, मनोरंजन के सस्ते साधन उपलब्ध हो जाने के कारण भी अब लोकगीत कम होते जा रहे हैं; यहाँ तक कि शादी-विवाह जैसे पवित्र अवसरों पर भी लोकगीत नहीं सुनाई देते अब लोग भी लोकगीतों की जगह फ़िल्मी गीत सुनना ज़्यादा पसंद करते हैं जिनमें लोकगीतों की सरसता की जगह केवल शोर- शराबा ही सुनाई देता है । कई बार शब्दों के माधुर्य की जगह फूहड़ शब्द का शोर ही सुनाई पड़ता है ।

4) आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने कौन-सा काम करवाया और क्यों?

उत्तर:-आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने गेंहूँ बीनने का काम करवाया।एक बार गाँधी जी से मिलने के लिए कॉलेज के कुछ छात्र आए थे। उन सभी को अपने अंग्रेज़ी ज्ञान पर बड़ा गर्व था। बातचीत के दौरान छात्रों ने उनसे कार्य माँगा छात्रों को लगा कि गाँधी जी उन्हें पढ़ने-लिखने से संबंधित कोई कार्य देंगें गाँधी जी उनकी इस मंशा को भाँप गए और गाँधी जी ने छात्रों को गेंहूँ बीनने का कार्य सौंप दिया। वास्तव में इस कार्य द्वारा गाँधी जी छात्रों को समझाना चाहते थे कि कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता।

5) खपच्चियों को तैयार करने में किस बात का ध्यान रखा जाता है?

उत्तर- खपच्चियों के लिए ऐसे बाँसों को चुना जाता है जिनमें गाँठ-गाँठ दूर-दूर होती है। दाओ यानी चौड़े चाँद जैसी फाल वाले चाकू से इन्हें छीलकर खपच्चियाँ तैयार की जाती हैं। खपच्चियों की लंबाई पहले से ही तय कर ली जाती है; जैसे-आसन जैसी छोटी चीजें बनाने के लिए बाँस को हरेक गठान से काटा जाता है। येकरी बनाने के लिए लगभग दो या तीन गठानों वाली लंबी खपच्चियाँ काटी जाती हैं। यह इस बात पर निर्भर करती है कि टोकरी की लंबाई कितनी है।